Harvard University
Urdu 102: Intermediate Urdu-Hindi

शोले

Part 5

जेल के किसी कोने में जय और वीरू हरिराम का इन्तज़ार करते हुए दिखाई देते हैं। जब देखते हैं कि हरिराम आ रहा है तो दोनों फिर से फुसफुसाकर बातें करने लगते हैं।

जय - आ रहा है। आ रहा है। तो क्या सारा इन्तज़ाम हो चुका है?
वीरू - हाँ, इस बार निशाना ख़ाली नहीं जाएगा। पिस्तौल जेल में आ चुका है।
जय - पिस्तौल जेल में आ चुका है?
वीरू - हाँ, बस, दो चार दिन में ही जेलर और उस के जासूसों को...
जय - डिशु, डिशु।

****

हरिराम नाई फिर से जेलर के पास जा कर यह ख़बर सुनाता है।

जेलर - हा हा। हमारी जेल में पिस्तौल। पिस्तौल? हमारी जेल में पिस्तौल? यानी बग़ावत? ख़ून की नदियाँ? सिपाहियो!
हरिराम - सिपाहियो!
जेलर - सिपाहियो!
हरिराम - सिपाहियो!

****

जेलर क़ैदियों के पास कुछ सिपाहियों को ले कर जाता है।

जेलर - ठहरो। जेल का कोना कोना छान मारो। आधे इधर जाओ। आधे इधर जाओ। और बाक़ी हमारे साथ आओ। (वह एक एक कर के क़ैदियों को नज़दीक से देखने लगता है।) Halt! (जब वीरू के पास पहुँचता है तो वीरू उस की पीठ में एक डंडी चुभाता है।)

वीरू - पिस्तौल यहाँ है। ज़रा भी हिलने की कोशिश की तो...

जय - डिशु डिशु।

जेलर - सिपाहियो!

वीरू - चले गये। चलो अपने दफ़्तर।

जेलर - चलूँगा नहीं। तुम लोगों ने हिलने को मना किया है।

जय - पहला आर्डर केंसल। जाओ।

****

जेलर के दफ़्तर में जय और वीरू अपने कपड़े बदलते हुए जेलर से बात कर रहे हैं।

जय - अंग्रेज़ों के ज़माने के जेलर और इतनी घबराहट। (जेलर रोनेवाला है।)

वीरू - नहीं! नहीं! नहीं! पहले हिफ़ाज़त से हमें गेट तक छोड़कर आओ।

जय - Attention! Left turn! Quick march! Left right, left right, left right... Halt! (जेल के दरवाज़े के पास पहुँचते हैं)

वीरू - (जेलर से) दरवाज़ा खुलवाओ।

जेलर - (सिपाही से) दरवाज़ा खोलो।

सिपाही - Yes Sir.

जब सिपाही अन्दर आता है जय उसे मारकर बेहोश कर देता है। फिर दोनों बाहर जा कर सींख़चों से झाँककर जेलर से कहते हैं...

जय - यह रही चाबी।

वीरू - यह रहा पिस्तौल।

****

सूरमा भोपाली की दुकान में सूरमा अपने नौकरों के सामने चौकी पर बैठकर उन्हें कहानी सुना रहा है कि उसने जय और वीरू को कैसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

नौकर - उन दोनों ने भागने की कोशिश तो की होगी न?

सूरमा - अरे कोशिश। ऐसी वैसी कोशिश। जानतोड़ कोशिश करी। मगर मैं भागने दूँ तब ना? एक को लिया पकड़कर, वह लम्बू निकला भागने को। मैंने पकड़कर टाँग जो खींच ली कि "जाते किधर हो आप?" और कसके दो दिये लपाड़े कि चलो थाने। बस फिर क्या था? पैर पकड़ लिये दोनों ने।

नौकर - वीरू और जय ने तुम्हारे पैर पकड़ लिये?

सूरमा - हाँ, हाँ।

नौकर - मैंने तो सुना बड़े बदमाश हैं वे।

सूरमा - अरे बहुत बदमाश हैं। मगर हमारा नाम भी सूरमा भोपाली ऐसे ही नहीं है। अब आप समझो कि पैर पकड़कर दोनों रो दिये, कि सूरमा भाई माफ़ कर दो। वह तो मैं माफ़ कर देता मगर मुझे इस बात पर ग़ुस्सा कि मेरे इलाक़े में आ कैसे गये?

जय और वीरू अचानक आकर उस के पीछे खड़े हो जाते हैं।

जय - फिर क्या हुआ?

सूरमा - अरे, फिर होना क्या था? मैं तो स्टिक रखता हूँ। अब जो मैंने फिनफिनायी ये तो ज़रा सुधरे। जटाजट जटाजट बहुत मारा। बहुत मारा।

वीरू - फिर क्या हुआ?

सूरमा - बस, फिर होना क्या था? मैंने दोनों को पकड़ कर गले बाँधा (अपने हाथ पीछे फैला कर जय और वीरू के कॉलर पकड़ कर उन्हें आगे खींचता है।) और मैंने कहा...

वीरू - क्या कहा?

सूरमा - (उन्हें देखकर) क्या कहा? क्या कहा मैंने? हाँ, मैंने कहा कि

और कोई ख़िदमत हो मेरे लायक़ तो आप बताओ मुझे। (नौकरों से कहता है) अरे मियाँ, आप लोगों को और कोई काम है कि नहीं? दिन भर बैठे रहते हो और पचीस झूठ हमसे बुलवाते हो। चलो हाँ, काम करो। अरे जाओ भैया। जबरन जुटे रहते हो। (जय और वीरू से) मैं तो ऐसे ही मज़ाक कर रहा था। और हाँ, बहुत जल्दी आप दोनों की छूट हो गयी जेल से। माशाल्लाह सेहतें वेहतें तो बड़े मज़े की करारे टन टन हो रही हैं।

जय - सूरमा भाई।

सूरमा - हाँ भाई।

जय - हम अपने हज़ार रुपये लेने आये हैं।

सूरमा - हज़ार रुपये।

वीरू - हाँ, हाँ, हज़ार रुपये।

सूरमा - अच्छा हाँ, हज़ार रुपये। अरे वह तो आप की गिरफ़्तारी के दूसरे ही दिन मिल गये थे। वह दिन है और आज का दिन है। लिफ़ाफ़े में बाँधकर जेब में धरे धरे फिर रहा हूँ। यह देखो, दो सौ के दस हैं गिन लो।

वीरू - अच्छा सूरमा भाई, फिर मिलेंगे।

सूरमा - हाँ, हाँ।

दोनों फाटक की ओर चलते हैं पर जब फाटक खुल जाता है तो उस के पीछे पुलिस खड़ी मिलती है। फिर जय और वीरू दोनों को जेल वापस जाना पड़ता है।

x का इन्तजार करना = to wait for x

निशाना ख़ाली जाना = for the mark to be missed (vi)

पिस्तौल = pistol (m)

यानी = that is to say

बग़ावत = revolt (f)

ख़ून = blood (m)

नदी = river (f)

सिपाही = guard (m)

एक एक कर के = one by one

नज़दीक से = up close (adv)
पीठ = back (f)
डंडी = stick (f)
लगाना = to attach (vt)
ठहरना = to wait (vi)
छान मारना = to search (vt)
बाक़ी = rest, remainder (adj)
हिलना = to move (vi)
की कोशिश करना = to attempt to
मना करना = to forbid (vt)
आर्डर = order (m)
घबराहट = panic (f)
हिफ़ाज़त से = safely (adv)
छोड़ना = to leave, drop (vt)
खुलवाना = to have opened (vt)
खोलना = to open (vt)
सलाका = (iron) bar (m)
चाबी = key (f)
पकड़ना = to catch (vt)
भागना = to flee (vi)
ऐसा वैसा = trifling, insignificant (adj)
जानतोड़ = breaking one's life (strenuous) (adj)
मगर मैं भागने दूँ तब = But only when I allow to escape.
एक को लिया पकड़कर = एक को पकड़कर लिया।
लम्बू निकला भागने को = लम्बा (जय) भागने को निकला।
टाँग = leg (f)
खींचना = to pull (vt)
जाते किधर हो आप? = आप किधर जाते हो?
कसना = to tighten (vt)
लप्पड़ = slap (m)
माफ़ करना = to forgive (vt)
ग़ुस्सा = anger (m), angry (adj)
इलाक़ा = locality (m)
आ कैसे गये = how did they come?
अचानक = suddenly (adv)
क्या होना था? = What had to happen?
स्टिक = stick
रखना = to keep, place (vt)
फीन फीनाई करना = to do "fin finai (twirl [a stick])
ये ज़रा सुधारें कर दी = ?
मारना = to beat, kill (vt)
जटाजट = sound words.
गले बाँधना =
ख़िदमत = service (f)
मेरे लायक़ = worthy of me (adv)
मियाँ = Mr
बैठे रहना = to remain seated (vi)
झूठ = llie (m)
बुलवाना = to make someone say (vt)
मज़ाक करना = to joke (vt)
छूट होना = release to happen (vi)
माशाल्लाह = What God wills!
सेहत = health (f)
करारा = crisp, firm (adj)
तन = body (m)
हज़ार = thousand (adj)
गिरफ़्तारी = arrest (f)
बाँधना = to tie (vt)
धरना = to place (vt)
फिरना = to wander, roam (vi)